पाठ्य पुस्तक
(Text Book)

प्रो० कीटिंग (Prof. Keating) ने कहा है "पाठ्यपुस्तक शिक्षण सामग्री का आधा अंग है।" पाठ्य-पुस्तक के द्वारा छात्र विषय-वस्तु (Subject-matter) को एकत्रित, संगठित व्यवस्थित करके सुगम बनाता है। पाठ्य-पुस्तक से अध्यापक को अध्ययन कार्य की सीमा का ज्ञान होता है। पाठ्य-पुस्तकें संचित ज्ञान का भण्डार हैं। इनसे विभिन्न लेखकों के विचारों का स्पष्ट ज्ञान प्राप्त हो जाता है। पाठ्य-पुस्तकें छात्र तथा शिक्षक दोनों के लिए एक मूल्यवान सम्पत्ति (Asset) है। छात्र इस सम्पत्ति की सहायता से अपना श्रम एवं समय बचाते हैं तथा उसे मूल पुस्तक के अध्ययन हेतु प्रयास नहीं करने पड़ते। पाठ्य-पुस्तकें ज्ञान-प्राप्ति को सरल तथा सुगम बना देती हैं।

पाठ्य-पुस्तक का अर्थ, परिभाषाएं
(Meaning of Text Book)

(1) "पाठ्य-पुस्तक अनुदेशीय अभिप्रायों के लिए व्यवस्थित किया गया एक प्रजातीय चिन्तन का अभिलेख है।"

"Text-book is a record of racial thinking organised for instructional purposes." – *Hallquest*

(2) "पाठ्य-पुस्तक कक्षा-कक्ष के प्रयोग के लिए निर्धारित की गयी पुस्तक है।"

"Text-book is a book designed for classroom use." – *Bacon*

(3) "पाठ्य-पुस्तक किसी अध्ययन की प्रमुख शाखा के लिए एक मानक पुस्तक है।"

"Text-book is a standard book for any particular branch of study." – *Lange*

(4) **क्रॉनबेक** (Cronback) "आजकल अमेरिका के शैक्षिक चित्र में पाठ्य-पुस्तक केन्द्र-बिन्दु है। इसने अनुपम प्रकार के विद्यालय में प्रथम ग्रेड से लेकर

Scanned by CamScanner

कॉलेज स्तर तक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है।"

(5) "पाठ्य-पुस्तक विद्यालय या कक्षा हेतु छात्र तथा शिक्षक के प्रयोग के लिए विशेष रूप से तैयार की जाती है जिसमें एकाकी विषय या घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित विषयों की पाठ्य-वस्तु को प्रस्तुत किया जाता है।"

"A true text-book is one specially prepared for the use of pupil and teacher in a school or a class, presenting a course of study in a single subject or closed related subjects."

– *American Text-book Publishers Institute*

(6) "आधुनिक तथा प्रचलित अर्थ में पाठ्य-पुस्तक सीखने वाला साधन है जिसका प्रयोग विद्यालयों तथा कॉलेजों के अनुदेशन कार्यक्रमों को परिपूरित करने के लिए किया जाता है। सामान्य अर्थ में पाठ्य-पुस्तक मुद्रित होती है, इसकी जिल्द मजबूत होती है, यह अनुदेशन अभिप्राय से प्रयुक्त की जाती है और इसको सीखने वालों के हाथों में सौंपा जाता है।"

–*एनसाइक्लोपीडिया ऑफ एजूकेशनल रिसर्च*

"In the modern sense and as commonly understood, the text-book is a learning instrument usually employed in schools and colleges to support a programme of instruction. In ordinary usage, the text-book is printed, it is nonconsumable, it is hard bound, it serves and avowed instrctional purpose and it is placed in the hands of the learner." – *Encyclopaedia of Educational Research*

(7) "पाठ्य-पुस्तक किसी अध्ययन की प्रमुख शाखा के लिए एक मानक पुस्तक है।" – *लैंग*

"Text-book is a standard book for any particular branch of study."

– *Lange*

(8) "पाठ्य-पुस्तक अनुदेशीय अभिप्रायों के लिए व्यवस्थित किया गया एक प्रजातीय चिन्तन का अभिलेख है।"

"Text-book is a record of racial thinking organised for instructional purposes." – *Hallquest*

(9) हैरोलिकर (Harolicker) के अनुसार, "पाठ्य-पुस्तक ज्ञान, आदतों, भावनाओं, क्रियाओं तथा प्रवृत्तियों का सम्पूर्ण योग है।"

(10) हाल-क्वेस्ट (Hall-quest) के शब्दों में, "पाठ्य-पुस्तक शिक्षण अभिप्रायों के लिए व्यवस्थित प्रजातीय चिन्तन का एक अभिलेख है।"

(11) लैंज (Lange) के अनुसार, "यह अध्ययन क्षेत्र की किसी शाखा की एक प्रमाणित पुस्तक होती है।"

(12) डगलस (Duglas) का कथन है, "अध्यापकों के बहुमत ने अन्तिम विश्लेषण के आधार पर पाठ्य-पुस्तक को वे क्या और किस प्रकार पढ़ायेंगे की आधारशिला माना है।"

Scanned by CamScanner

(13) बेकन (Bacon) का कहना है, "पाठ्य-पुस्तक कक्षा प्रयोग के लिए विशेषज्ञों द्वारा सावधानी से तैयार की जाती है। यह शिक्षण युक्तियों से भी सुसज्जित होती है।"

कमेनियस ने सबसे पहले भाषा की पुस्तक लिखी। इसके बाद अनेक शिक्षाशास्त्रियों ने पुस्तकें लिखीं। उन्नीसवीं शताब्दी में फोबेल और डीवी ने पाठ्य-पुस्तकों का विरोध किया। शिक्षकों ने शिक्षा बिना पुस्तक पर प्रयोग किया निष्कर्ष रहा कि बिना पुस्तकों के शिक्षा संभव नहीं। शिक्षा तकनीकी का प्रभाव बढ़ा। पाठ्य-पुस्तकों के लिखने और प्रकाशन में परिवर्तन हुए। कठिन विषयों को स्वाध्याय द्वारा सीखा जा सकता है। NCERT इस विषय पर पर्याप्त कार्य कर रही है।

Scanned by CamScanner